बीईसीसी 105

बी ए अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य 2026-27
जुलाई 2026 और जनवरी 2027 प्रवेश चक्र के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–105
पाठ्यक्रम शीर्षक : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र–I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

बीईसीसी-105
मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र–I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(2026–27)

कार्यक्रम कोडः बीएईसीएच
पाठ्यक्रम कोडः बीईसीसी 105

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएईसीएच के लिए कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको अर्थशास्त्र (BECC-105) में इस के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसमें 100 अंक होते है।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टी एम ए को आपको विभिन्न श्रेणियों के सवालों के ज़वाब देने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। सत्रीय कार्य कों तीन भागों में विभाजित किया गया है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग क में 20-20 अंकों के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। भाग ख में 10-10 अंकों के तीन प्रश्न होते हैं जब कि भाग ग में आपको 6-6 अंकों के 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि हैः

31 मार्च 2027	**जून 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**
30 सितंबर 2027	**दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र–I
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-105
सत्रीय कार्य कोड :बीईसीसी –105 / टीएमए / 2026-27
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य-1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2×20=40**

1) एक उपभोक्ता के उपयोगिता फलन पर विचार कीजिए :

$$U(x_1, x_2) = x_1^{1/2} x_2^{1/2}$$

मान लीजिए कि वस्तु x_1 और वस्तु x_2 की कीमतें क्रमश : $p_1 = 10$ तथा $p_2 = 20$ हैं तथा उपभोक्ता की आय $M = 600$ है।

(क) वस्तुओं x_1 और x_2 की **इष्टतम उपभोग मात्रा** निर्धारित कीजिए। उपभोक्ता की बजट बाधा व्युत्पन्न कीजिए। उपयोगिता–अधिकतम मात्राएँ ज्ञात कीजिए तथा अधिकतम उपयोगिता की गणना कीजिए। यह भी स्पष्ट कीजिए कि यदि वस्तु x_1 की कीमत घटकर ₹5 हो जाए, तो उपभोक्ता का संतुलन किस प्रकार परिवर्तित होगा।

(ख) प्रकट वरीयता की अवधारणा की व्याख्या कीजिए तथा चर्चा कीजिए कि यह उपभोक्ता व्यवहार के विश्लेषण का एक वैकल्पिक दृष्टिकोण कैसे प्रदान करती है। यह कार्डिनल उपयोगिता दृष्टिकोण से किस प्रकार भिन्न है?

2) (क) एक पूर्ण प्रतियोगी फर्म (Perfectly Competitive Firm) को बाजार में ₹50 का मूल्य प्राप्त होता है। उसका कुल लागत फलन निम्नलिखित है : $TC = 100 + 10Q + Q^2$

निम्नलिखित ज्ञात कीजिए :

(i) लाभ–अधिकतम उत्पादन दर (Profit-Maximising Level of Output)

(ii) फर्म का लाभ

(iii) उत्पादन बंद करने की शर्त (Shutdown Condition)

(iv) क्या फर्म को अल्पकाल में उत्पादन जारी रखना चाहिए?

(ख) पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत **अल्पकालीन संतुलन** तथा **दीर्घकालीन संतुलन** के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। अल्पकाल में फर्में असामान्य (अधिशेष) लाभ क्यों अर्जित कर सकती हैं, जबकि दीर्घकाल में केवल सामान्य लाभ ही क्यों प्राप्त होता है?

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं।3×10=30

3) मूल्य प्रभाव (Price Effect) को आय प्रभाव (Income Effect) तथा प्रतिस्थापन प्रभाव (Substitution Effect) में विभाजित करने की **हिक्सीय** (Hicksian) तथा **स्लट्स्की** (Slutsky) विधियों की तुलना कीजिए।

4) (क) **कोज़ प्रमेय** (Coase Theorem) का उल्लेख कीजिए। निजी सौदेबाजी किस प्रकार बाह्यताओं की समस्या का समाधान हो सकती है? यह किन परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करती है?

(ख) एक फर्म 100 इकाइयों का उत्पादन करती है। उसकी सीमांत निजी लागत (Marginal Private Cost - MPC) ₹ 20 प्रति इकाई है, जो स्थिर है। उत्पादन से प्रति इकाई सीमांत बाह्य लागत (Marginal External Cost - MEC) ₹ 10 उत्पन्न होती है। उपभोक्ताओं को प्राप्त सीमांत लाभ (Marginal Benefit - MB) ₹ 30 प्रति इकाई है।

निम्नलिखित ज्ञात कीजिए :

(i) सामाजिक दृष्टि से इष्टतम उत्पादन स्तर (Socially Optimal Output Level) क्या होगा?

(ii) बाह्यता को आंतरिक करने (Internalize) के लिए आवश्यक पिगूवियन कर (Pigovian Tax) की गणना कीजिए।

5) दो फर्मों के लिए निम्नलिखित प्रतिफल (Payoff) आव्यूह पर विचार कीजिए :

	फर्म A: उच्च मूल	**फर्म B: निम्न मूल्य**
फर्म A: उच्च मूल	(50,50)	(20,70)
फर्म B: उच्च मूल	(70,20)	(30,30)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) प्रत्येक फर्म के लिए, यदि कोई हो, तो प्रमुख रणनीति (Dominant Strategy) की पहचान कीजिए।

(ii) नैश संतुलन (Nash Equilibrium) निर्धारित कीजिए।

(iii) स्पष्ट कीजिए कि नैश संतुलन सहयोग की तुलना में कम संयुक्त लाभ क्यों उत्पन्न कर सकता है।

(iv) इस परिणाम को अल्पाधिकार में कैदी की दुविधा (Prisoner's Dilemma) से संबंधित कीजिए।

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5×6=30**

6) लाभ फलन के प्रमुख गुण क्या हैं? इस संदर्भ में उत्तलता (Convexity) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

7) किन परिस्थितियों में पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत कोई फर्म अल्पकाल में हानि उठाने के बावजूद उत्पादन जारी रख सकती है?

8) अर्द्ध–रेखीय उपयोगिता फलन (Quasi-Linear Utility Function) क्या है?

9) सीमांत प्रतिस्थापन दर को परिभाषित कीजिए तथा इसके आर्थिक महत्व की व्याख्या कीजिए।

10) नैतिक जोखिम तथा मुफ्त लाभार्थी समस्या की व्याख्या कीजिए।